

द्वितीय संस्करण

जनवरी, 2012

© लेखकाधीन

संशोधित दाम— 80/- टका

प्रकाशक :

डॉ० करम चन्द्र अहीर

पंचपरगनिया भाषा विकास केन्द्रीय समिति,
बुण्डू, राँची, (झारखण्ड)

लेखकीय

‘आदर्श पंचपरगनिया व्याकरण’ टा पंचपरगनिया भाषा केर माध्यमे लिखल आर परकासित पहिला व्याकरण हेके। निम्नलिखित रूपे कहे पारायता ले ई व्याकरण टा लिखेक माहान पहिल परकासित कोना व्याकरण बा केकरो पाण्डुलिपि केर साहारा नि मिल आहे। इटा राहे उच्च विद्यालय, राहे केर युगल गुरु पूजनीय डॉ० कुशेश्वर झा आर पूर्व प्रधानाध्यापक श्री मगन सिंह मुण्डा जेसन भाषाविद् केर विद्वताक परभावे आर विद्यार्थी जीवने उपजल व्याकरणेक रुचि आर ३२ बछर केर मोर लांबा अध्यापकीय जीवनेक व्याकरण संबंधी चिंतन — मनन और अनुभव केर प्रतिफल हेके। से तेहें, यदि काहाँउ कोनो किसिमके भूल बा त्रुटि केर पावाय, तो मोय आदरनीय विद्वान—विदुषि भाई—बहिन सउब दारा सुझाल भूल बा त्रुटि निबारन खुसी मने करम आर आवल संसोधन केर स्वागत केर तेहें हमेसा तेयार आहौं।

प्रभारी सचिव, झारखंड अधिविद्य परिषद्, राँची केर पत्रांक — ६५ दिनांक : ०२.०४.०५ केर आदेशानुसार जनजातीय—क्षेत्रीय भाषा — यथा—खड़िया, खोरठा, नागपुरी, पंचपरगनिया आर कुरमाली के सत्र २००५—०६ लेक वर्ग नवम आर दशम स्तरे पढ़ायेक अनुमति मिलल बादे लेक सक्रियता पूर्वक पंचपरगनिया भाषा विकास केन्द्रीय समिति, बुण्डू द्वारा ‘मेसाकोसा’, भाग—२ (गद्य भाग) वर्ग दशम—जेटाक विमोचन झारखण्ड राज्य केर माननीय गृहमंत्री श्री सुदेश कुमार महतो केर कर कमल लेक आर ‘ऊँजरा भइर फूल’ भाग—२ (पद्य भाग + द्रुतवाचन), वर्ग दशम—जेटाक विमोचन झारखण्ड राज्य केर माननीय कल्याण मंत्री श्री रमेश सिंह मुण्डा केर कर कमल लेक होय चुइक आहे—केर परकासन करल बादे वार्षिक माध्यमिक परीक्षा, २००६ माहान पंचपरगनिया भाषा राखोइया छुवा सउब केर जरूरत पूरा करेक तेहें बहुत कम समये आरथिक कठिनाइ रहत कोऊ ‘आदर्श पंचपरगनिया व्याकरण’ टा परकासित करल जा तेहे।

बास्तविक रूपे ई व्याकरण टा पहिल प्राथमिक शिक्षा केर तेहें, लिखेक सुरू करल जाय रहे, लेकिन सरकार दारा प्राथमिक स्तरे पहिल अनुमति ना मिल के, माध्यमिक स्तरे पंचपरगनिया पढ़ायेक अनुमति पहिल मिललक, से तेहें ई व्याकरण टाके प्राथमिक आर माध्यमिक दुइयो स्तर टाके मदेनजर राइख के नावाँ शिक्षा नीति आर सी.बी.एस.ई केर पाठ्यक्रमानुसार लिखेक कोसिस करल जाय आहे।

आसा आहे जे ‘आदर्श पंचपरगनिया व्याकरण’ टा लेक प्राथमिक आर माध्यमिक स्तरेक पंचपरगनिया पढ़ोइया छुवा गिला के पंचपरगनिया व्याकरण केर जानकारी मिली आर इटा उमनेक बिभिन्न स्तरेक परीक्षाय उपजोगी साबित होई।

डॉ० करम चन्द्र अहार

प्रभारी प्रधानाध्यापक

मकर संक्रान्ति

१४ जनवरी, २००६

राज्य सम्पोषित उच्च विद्यालय, टोण्टो

बड़ा झींकपानी, पश्चिमी सिंहभूम (झारखण्ड)

द्वितीय संस्करण केर बारे मेहेन

आदर्श पंचपरगनिया व्याकरण केर पहिला संस्करण सन 2006 ईसबिए परकासित होय रहे। सेखने राइज सरकार केर आदेसे नावाँ-नावाँ, वर्ग-नवम आर दशम माहने सत्र 2005-06 माहान पंचपरगनिया केर पढ़ाई चालू होय चुइक रहे आर बिसेस कइर के पढ़ुवा छुवा के व्याकरण केर बहुत दरकार रहे। तेकर थोड़ेक दिन बादे सन् 2006 ईसबिएई पंचपरगनिया भाषा टाके आरो आठ झारखंडी भाषा संगे 'झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राजपत्रित पदाधिकारी केर मुख्य परीक्षा माहनोऊ सामिल करल गेलक। ई सउब बात ले के पंचपरगनिया भाषा-साहित्य-संस्कृति प्रेमी आर पढ़ुवा छुवा माहने पंचपरगनिया केर प्रति आदर भाव आर रुचि एसन बाइढ़ गेलक जे पहिला संस्करण टा हारा हुत होय के सिराय गेलक। आर एखन तो आरो एकटा बहुत बड़े खुसी केर काथा जे हाले हालेई दुई महीना पहिले झारखंड सरकार बंगला, उड़िया, संथाली, हो, मुण्डारी, खड़िया, कुडुख, पंचपरगनिया, कुरमाली, नागपुरी आर खोरठा भाषा गिला के द्वितीय राजभाषा केर दरजा प्रदान कइर आहे। (उर्दू के तो ई दरजा टा आरो पहिल मिल रहे।) सेतेहें ई किताब टा केर मांग बहुत बाइढ़ जाय आहे।

पंचपरगनिया भाषा-साहित्य-संस्कृति प्रेमी पाठक आर पढ़ुआ छुवा के संछेप मेहने बेसी लेक बेसी व्याकरणिक जानकारी देक उदेसे द्वितीय संस्करणे कुछ बेसी सामिग्री के देल जा तेहे आर निबंध केर नमूना गिला के आयतन भाभे बाढ़ायेक कोसिस करल जाय आहे। प्राथमिक आर माध्यमिक वर्ग केर पढ़ुवा छुवा केर तेहें बेसी दाम ना गिरुक, सेतेहें सउब पाठ के संछेपेई प्रस्तुत करल जाय आहे।

ई संस्करण टा केर छापायेक से संसोधन आर संपूर्ण भार हामरेक भइगना जी कृष्ण मोहन सिंह मुण्डा उठाय आहँय। इटाक तेहें उनके हारदिक बधाई दे तिही। आर पंचपरगनिया शोधार्थी सविता कुमारी मुण्डा केर मदद टाऊ हामरे भुइल नि सकिला।

अंत माहने हामरे सउब पंचपरगनिया भाषा-साहित्य-संस्कृति प्रेमी भाई-बहिन उपर बिसेस कइर के पढ़ुवा छुवा के हारदिक धन्यवाद दे तिही। आर आसा आहे जे ई संस्करण टा आरो बेसी सउब केर तेहें, बल्के 'झारखंड लोक सेवा आयोग' आर आरो-आरो प्रतियोगिता परीक्षा देवइया भाई-बहिन केर तेहेऊ उपयोगी होई।

पंचपरगनिया केर शुभचिंतक पाठक वृन्द आर पढ़ुवा छुवा आर सजग सिच्छक वृन्द केर बहुमूल्य सुझाव के हामरे सहर्ष स्वीकार करब आर आगामी संस्करणे ताकर अनुपालन निस्वेई करब।

॥ जोहार ॥

कार्तिक पूर्णिमा

10.11.2011

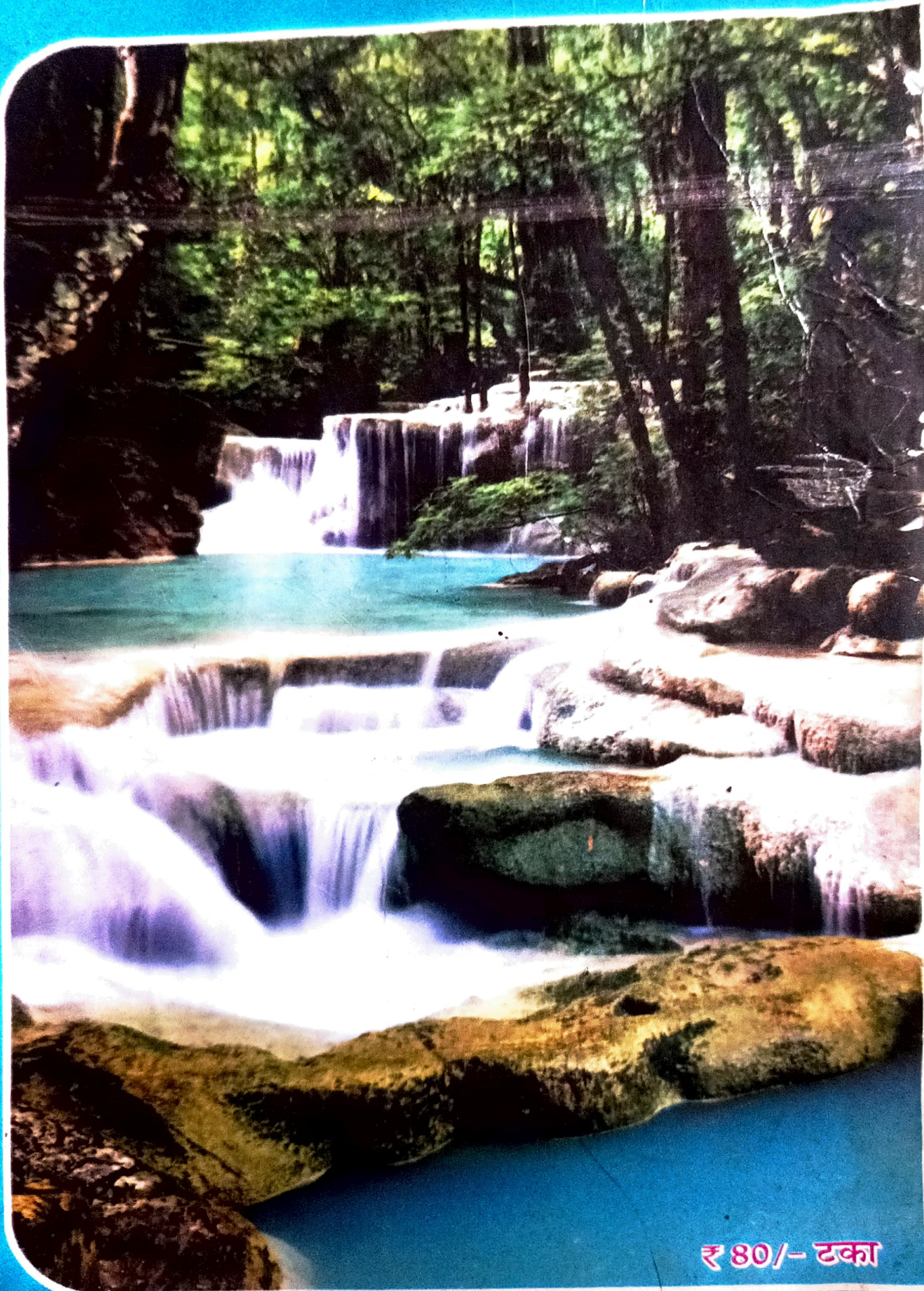
— डॉ० करमचन्द्र अहीर

विषय — सूची

क्रमांक	पाठ	विवरण	पृष्ठ
०१.	पहला पाठ	व्याकरण	०१-०१
०२.	दूसरा पाठ	वर्ण, बलाघात, संगम, अनतान	०२-०६
०३.	तीसरा पाठ	शब्द	०७-०७
०४.	चउथा पाठ	सार्थक शब्द केर भेद	०८-०९
०५.	पाँचवा पाठ	संज्ञा केर भेद	१०-१२
०६.	छठाँ पाठ	सर्वनाम	१३-१४
०७.	सातवाँ पाठ	वचन	१५-१६
०८.	आठवाँ पाठ	लिंग	१७-१९
०९.	नोवाँ पाठ	पुरूष	२०-२०
१०.	दसवाँ पाठ	कारक, संज्ञा-सर्वनाम शब्द केर रूपावली	२१-३४
११.	गारोवाँ पाठ	विशेषण	३५-३६
१२.	बारोवाँ पाठ	क्रिया, क्रिया केर भेद	३७-४२
१३.	तेरोवाँ पाठ	काल	४३-४३
१४.	चउदवाँ पाठ	भूतकाल केर भेद	४४-४५
१५.	पन्दरोवाँ पाठ	वर्तमानकाल केर भेद	४६-४६
१६.	सोलवाँ पाठ	भविष्यत् काल केर भेद	४७-४७
२३.	तेइसवाँ पाठ	वाक्य (संक्षेपे)	६३-६४
२४.	चोबीसवाँ पाठ	पंचपरगनिया मुहावरा	६५-६६

२५.	पचीसवाँ पाठ	पंचपरगनिया कहतुक (लोकोक्ति)	६७-६८
२६.	छबीसवाँ पाठ	क्रिया लेक विशेषण	६९-७०
२७.	साताइसवाँ पाठ	अनेक शब्द केर बदले एक शब्द	७१-७२
२८.	आठाइसवाँ पाठ	वाच्य	७३-७५
२९.	उनतीसवाँ पाठ	अव्यय (सबिस्तार)	७६-७८
३०.	तीसवाँ पाठ	वाक्य (सबिस्तार)	७९-८३
३१.	एकतीसवाँ पाठ	विराम-चिह्न	८४-८६
३२.	बत्तीसवाँ पाठ	शब्द-रचना	८७-९०
३३.	तेइतीसवाँ पाठ	शब्द आर अर्थ केर संबंध	९०-९३
३४.	चँउतीसवाँ पाठ	पंचपरगनिया पहेली (जान कहनी)	९४-९५
३५.	पँयतीसवाँ पाठ	अलंकार	९६-९८
३६.	रचना खण्ड (पत्र लेखन केर एकटा नमूना)		९९-९९
३७.	संक्षेपण, सोंहराई (निबंध केर नमूना)		१००-१०२





₹ 80/- टका